उन्नाव में बनेगा हाईवे विलेज

औद्योगिक राजधानी को प्रदेश की राजधानी के करीब लाने के लिए लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे निर्माणाधीन है। अभी लखनऊ-कानपुर के बीच अपने वाहन से सफर करने पर करीब दो घंटे लगते हैं। एक्सप्रेसवे बनने के बाद महज 35 मिनट में फर्राटा भरते हुए पहुंच जाएंगे। एक्सप्रेसवे पर सीमित प्रवेश द्वार होंगे, इसलिए राहगीरों से लेकर ट्रक चालकों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उन्नाव में एक्सप्रेसवे के 31 किलोमीटर पर दोनों तरफ हाईवे विलेज बनने हैं, जहां खाने-पीने, ठहरने से लेकर वाहनों की मरम्मत से लेकर ईंधन भराने की सुविधा के साथ पार्क भी होंगे।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) 63 किमी लंबे छह लेन कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य सहूलियत के हिसाब से दो चरण में करा रहा है। पहले चरण में लखनऊ से बनी के बीच 18 किमी एलीवेटेड सड़क लखनऊ-कानपुर हाईवे पर बन रही है, जबकि लखनऊ-उन्नाव सीमा पर स्थित हिनौरा गांव में सई नदी के पार से 45 किमी ग्रीनफील्ड सड़क का कार्य भी शुरू हो चुका है। एक्सप्रेसवे पर सीमित प्रवेश द्वार होंगे, इसलिए राहगीरों व ट्रक चालकों के ठहरने, खाने-पीने, वाहनों के रखरखाव के लिए हाईवे विलेज बनाने का फैसला किया गया है। एक्सप्रेसवे के 31 किमी यानी ग्रीनफील्ड सेक्शन पर दोनों तरफ हाईवे विलेज निर्माण के लिए जमीन भी चिह्नित कर ली है।

ये होंगी सुविधाएं: रेस्टोरेंट-ढाबे, होटल, शौचालय, बैंक, वर्कशाप, पेट्रोल पंप, सीएनजी पंप, चार्जिंग स्टेशन होंगे। बच्चों के खेलने के लिए पार्क भी बनाए जाएंगे। **(जासं, कानपुर)**

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे से लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे से कनेक्टिविटी दी जाएगी। भारी वाहन से लेकर छोटे वाहन सवार लंबी दूरी तय करके आएंगे। इसलिए उनके खाने-पीने से लेकर ठहरने और बच्चों के खेलकूद के लिए हाईवे विलेज बनाने का निर्णय लिया गया है। वहां वाहनों की मरम्मत से लेकर पेट्रोल व सीएनजी पंप और चार्जिंग स्टेशन भी होंगे। एक्सप्रेसवे के ग्रीनफील्ड सेक्शन में भूमि चिह्नित की गई है।

- सौरभ चौरसिया, परियोजना निदेशक एनएचएआइ लखनऊ।